

विषय सूची CONTENTS

	पृष्ठ Page
वर्षवार तुलनात्मक कार्यनिष्पादन Yearwise Comparative Performance	04
2004-05 के संक्षिप्त कार्य-परिणाम Summarised Working Results-2004-05	05
सूचना Notice	07
वर्ष 2004-05 के लिए निदेशकों की रिपोर्ट Directors' Report- 2004-05	09
कार्पोरेट अभिशासन Corporate Governance	34
शेयरधारकों की सूचना के लिए For Shareholders Information	53
तुलन पत्र Balance Sheet	54
लाभ एवं हानि लेखे Profit & Loss Account	55
लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट Report of the Auditors	77
नकदी प्रवाह विवरण Cash Flow Statement	79
मुख्तारी फार्म (संलग्न) Proxy Form (Enclosed)	81
स्मरणीय पल Memorable Moments	83
उपस्थिति सह-प्रवेश-पर्ची Attendance-cum-Entry Slip (Encl.)	

लेखा परीक्षकगण Auditors

मैसर्स बी. के. खरे एण्ड कं., मुंबई
M/s. B. K. Khare & Co., Mumbai

मैसर्स खण्डेलवाल काकानी एण्ड कं., इंदौर
M/s. Khandelwal Kakani & Co., Indore

मैसर्स एस. जयकिशन, कोलकाता
M/s. S. Jaykishan, Kolkata

मैसर्स गांधी मिनोचा एण्ड कं., दिल्ली
M/s. Gandhi Minocha & Co., Delhi

मैसर्स भुदलाडिया एण्ड कं., नई दिल्ली
M/s. Bhudladia & Co., New Delhi

मैसर्स नृपेन्द्र एण्ड कं. कानपुर
M/s Nripendra & Co., Kanpur

प्रधान कार्यालय: देना कारपोरेट सेंटर, सी-10, जी ब्लॉक, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पू.), मुंबई 400 051

Head Office: Dena Corporate Centre, C-10, G Block, Bandra Kurla Complex, Bandra (E), Mumbai 400 051.

निवेशक संपर्क केन्द्र: देना कारपोरेट सेंटर, सी-10, जी ब्लॉक, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पू.), मुंबई 400 051

Investor Relations Centre: Dena Corporate Centre, C-10, G Block, Bandra Kurla Complex, Bandra (E), Mumbai 400 051.

पंजीयक एवं शेयर हस्तांतरण एजेंट: शेयरप्रो सर्विसेज, साटम इस्टेट, 3 री मंजिल, कार्डिनल ग्रेसियस रोड, चकाला, अंधेरी (पूर्व), मुंबई 400 099.
Registrars & Share Transfer Agents: Sharepro Services, Satam Estate, 3rd Floor, Cardinal Gracious Road, Chakala, Andheri (E), Mumbai-400 099.

वर्षवार तुलनात्मक कार्य-निष्पादन YEAR WISE COMPARATIVE PERFORMANCE

(करोड़ रु. में) (Rs. in Crore)

कार्य-निष्पादन मानदंड	Performance Parameters	2002-2003	2003-2004	2004-2005
<u>कारोबारी माध्यम एवं संसाधन</u>	<u>Delivery Channels & Resources:</u>			
शाखाओं की संख्या	Number of Branches	1135	1135	1123
इनमें से कम्प्यूटरीकृत शाखाओं की संख्या	Of which Computerised Branches	862	922	1123
एटीएम की संख्या	No. of ATMs	80	101	115
कर्मचारियों की संख्या	No. of Employees	10553	10347	10201
<u>पूंजी एवं आरक्षितियाँ</u>	<u>Capital & Reserves:</u>			
पूंजी	Capital	206.82	206.82	286.82
आरक्षितियां (पुनर्मूल्यांकन	Reserves (Excluding			
आरक्षितियों को छोड़कर)	Revaluation Reserve)	657	726	706
पूंजी पर्याप्तता अनुपात (%)	Capital Adequacy Ratio (%)	6.02	9.48	11.91
<u>कारोबार</u>	<u>Business:</u>			
कुल जमा राशियां	Total Deposits	16491	18349	20096
% वृद्धि	% Increase	7.40	11.27	9.52
ऋण एवं अग्रिम (निवल)	Loans & Advances (Net)	8436	9412	11309
% वृद्धि	% Increase	12.14	11.57	20.16
विनिधान (निवल)	Investments (Net)	8500	9736	9697
% वृद्धि	% Increase	11.14	14.54	(-) 0.40
<u>निम्नलिखित को ऋण एवं अग्रिम</u>	<u>Loans & Advances to:</u>			
- प्राथमिकता क्षेत्र	- Priority Sector	3838	4204	4755
- कृषि	- Agriculture	1475	1744	1749
- लघु उद्योग	- Small Scale Industries	1377	1318	1257
- % के रूप में प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम	- Priority Sector Advances in % terms	46.18	44.65	42.46
<u>वित्तीय स्थिति</u>	<u>Financials:</u>			
परिचालनगत लाभ	Operating Profit	493.83	710.59	447.49
निवल लाभ	Net Profit	114.19	230.50	61.00
<u>आस्ति गुणवत्ता अनुपात</u>	<u>Asset Quality Ratios:</u>			
सकल अग्रिमों की तुलना में सकल गैर निष्पादक अस्तियों का अनुपात %	Gross NPA to Gross Advances Ratio %	17.86	14.82	9.67
निवल अग्रिमों की तुलना में निवल गैर निष्पादक अस्तियों का अनुपात %	Net NPA to Net Advances Ratio %	11.83	9.40	5.23
<u>उत्पादकता अनुपात</u>	<u>Productivity Ratios:</u>			
प्रति कर्मचारी कारोबार	Per Employee Business	2.42	2.74	3.13
प्रति शाखा कारोबार	Per Branch Business	22.50	26.96	28.46

निरंतर लाभार्जन यात्रा

बैंक ने प्रतिकूल परिदृश्य के बावजूद सभी मापदण्डों पर पर्याप्त सुधार दर्ज करते हुए अपनी लाभार्जन यात्रा जारी रखी.

कारोबार वृद्धि

बैंक का कुल कारोबार संमिश्र पहली बार रु.30,000 करोड़ के स्तर को पार कर गया. बैंक की जमाशायियाँ 9.52% की वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 20,096.09 करोड़ के स्तर तक पहुँच गई. कुल जमाशायियों में अल्प लागत वाली जमाशायियों के अंश में 217 आधार बिन्दुओं की प्रभावी वृद्धि परिलक्षित हुई. और यह वृद्धि 43.71 के स्तर तक पहुँच गई.

सकल अग्रिमों में वृद्धि की दृष्टि से बैंक ने प्रभावी कार्य-निष्पादन दर्ज किया और उसमें 1853.68 करोड़ की बढ़ोतरी हुई. जिसके फलस्वरूप वे 31 मार्च, 2004 के रु. 10,011.45 करोड़ से बढ़कर 31 मार्च, 2005 को रु. 11,865.13 करोड़ हो गए. यह वृद्धि 18.52% रही.

प्राथमिकता क्षेत्र एवं खुदरा अग्रिम

प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिमों का अनुपात भारतीय रिज़र्व बैंक के 40% के निर्धारण की तुलना में बैंक के निवल ऋण का 42.46% था.

वर्ष के दौरान बैंक का खुदरा ऋण रु. 719.08 करोड़ से बढ़कर रु. 1477.29 करोड़ के रूप में दोगुना हो गया.

निवेश

विश्वव्यापी प्रतिभूति बाजार में विद्यमान प्रतिकूल परिदृश्य को देखते हुए बैंक ने निवेश पोर्टफोलियो के प्रति अत्यधिक सजग दृष्टिकोण अपनाया था. इसके फलस्वरूप उक्त पोर्टफोलियो रु. 9771.15 करोड़ से थोड़ा घटकर रु. 9721.50 करोड़ रह गया.

आस्ति गुणवत्ता

वर्ष के दौरान बैंक की सकल गैर निष्पादक आस्तियों में 22.67% की कमी आई. और वे रु. 1484.01 करोड़ से घटकर रु. 1147.54 करोड़ रह गई. इस कमी के अनुरूप ही बैंक की निवल गैर निष्पादक आस्तियों में 33.17% की कमी आई और वे रु. 884.35 करोड़ से घटकर रु. 591 करोड़ रह गई. गैर निष्पादक आस्तियों के लिए प्रावधान सुरक्षा भी 39.05% से बढ़कर 46.72% हो गई.

CONTINUED TURNAROUND JOURNEY

The Bank continued its turnaround journey, despite adverse scenario, by recording considerable improvement on many parameters.

BUSINESS GROWTH

The Total Business Mix of the Bank crossed Rs.30,000 crores for the first time. The Deposits of the Bank had reached a level of Rs. 20,096.09 crores by recording 9.52% growth. The share of low cost deposits in total deposits has shown an impressive increase of 217 bps to reach a level of 43.71%

The Bank posted impressive performance in terms of increase in Gross Advances by Rs.1853.68 crores from Rs.10,011.45 crores as at 31st March 2004 to reach a level of Rs.11,865.13 crores by 31st March 2005 i.e an increase of 18.52%.

PRIORITY SECTOR & RETAIL ADVANCES

The Ratio of Priority Sector Advances constituted 42.46% of Bank's Net Credit as against the RBI prescription of 40%.

Retail credit of the Bank was doubled during the year from Rs.719.08 crores to Rs.1477.29 crores.

INVESTMENTS

In view of the adverse scenario in the G-Sec market, the Bank had adopted a very cautious approach to investments portfolio. As a result, the portfolio marginally decreased from Rs. 9771.15 crores to Rs. 9721.50 crores.

ASSET QUALITY

Gross NPAs of the Bank were reduced by 22.67% from Rs.1484.01 crores to Rs.1147.54 crores during the year. Corresponding to this reduction, Net NPAs of the Bank declined by 33.17% from Rs.884.35 crores to Rs.591 crores. The provision cover for NPAs has also increased from 39.05% to 46.72%.

लाभ

ब्याज दर परिदृश्य के कारण निवेश की बिक्री से होने वाले लाभ में पर्याप्त कमी आई, जिसके फलस्वरूप वर्ष 2004-05 के लिए परिचालनगत लाभ रु. 447.49 करोड़ के रूप में अपेक्षाकृत कम रहा. बैंक ने वर्ष में रु. 61 करोड़ का निवल लाभ दर्ज किया.

पूंजी पर्याप्तता अनुपात

बैंक ने शेयर पूंजी के रूप में रु. 80 करोड़ तथा जनवरी, 2005 में दूसरे सार्वजनिक निर्गम से शेयर प्रीमियम के रूप में रु. 136 करोड़ जुटाए थे. बैंक ने मार्च, 2005 में द्विस्तरीय बॉण्ड निर्गम के द्वारा भी रु. 210 करोड़ जुटाए थे. पूंजी में उपचय के कारण बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 9.48% से बढ़कर 31 मार्च, 2005 को 11.91% हो गया.

कंप्यूटरीकरण

31 मार्च, 2005 के दिन बैंक की सभी शाखाएँ कंप्यूटरीकृत हो चुकी थी. जिनमें से 1,053 शाखाएँ पूर्णतः कंप्यूटरीकृत थीं. 96.17% से अधिक बैंक कारोबार कंप्यूटरों पर होता है. बैंक ने वर्ष के दौरान 54 एटीएम स्थापित किए जिससे उनकी कुल संख्या 155 हो गई. बैंक ने ग्राहक सेवा का स्तर सुधारने के लिए वर्ष के दौरान कई ग्राहकोन्मुख प्रौद्योगिक आधारित योजनाएँ आरम्भ की.

उत्पादकता अनुपात

बैंक का प्रति कर्मचारी कारोबार 31 मार्च, 2004 के रु. 2.74 करोड़ से बढ़कर 31 मार्च, 2005 को रु. 3.13 करोड़ हो गया.

प्रति शाखा कारोबार 31 मार्च, 2004 के रु. 26.96 करोड़ से बढ़कर 31 मार्च, 2005 के दिन रु. 28.46 करोड़ हो गया.

PROFIT

On account of the interest rate scenario, Profit on sale of Investment declined sizeably as a result of which Operating Profit was lower at Rs. 447.49 crores for the year 2004-05. The Bank recorded Net Profit of Rs. 61 crores for the year.

CAPITAL ADEQUACY RATIO

The Bank had raised Rs.80 crores by way of share capital and Rs.136 crores by way of Share Premium from the Second Public Issue in January 2005. Bank had also raised Rs.210 crores by issue of Tier II Bond in March 2005. On account of accruals to Capital, the Bank Capital Adequacy Ratio increased from 9.48 % to 11.91% as at 31st March 2005.

COMPUTERISATION

As at 31st March 2005, all branches of the Bank are computerized with 1053 branches fully computerized. Over 96.17% of the Bank business is on computers. The Bank installed 54 ATMs during the year taking the total number of ATMs to 155. The Bank had introduced a number of customer friendly techno savvy schemes during the year to enhance customer service levels.

PRODUCTIVITY RATIOS

Bank's Per Employee business went up from Rs.2.74 crore as on 31st March 2004 to Rs.3.13 crore as on 31st March 2005.

The Per Branch Business increased from Rs.26.96 crore as on 31st March 2004 to Rs.28.46 crore as on 31st March 2005.

सूचना NOTICE



प्रधान कार्यालय : देना कारपोरेट सेंटर, सी-10, जी ब्लॉक, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पू.), मुंबई 400 051
Head Office: Dena Corporate Centre, C-10, G Block, Bandra Kurla Complex, Bandra (East), Mumbai 400 051.

सूचना

NOTICE

एतद्वारा सूचना दी जाती है कि देना बैंक के शेयरधारकों की नौवीं वार्षिक सामान्य सभा शुक्रवार, 8 जुलाई 2005 को अपरान्ह 3.00 बजे सभागृह, सर सोराबजी पोचखानावाला बैंकर्स ट्रेनिंग कालेज, जे. वी. पी. डी. स्कीम, विलेपार्ले (पश्चिम) मुम्बई-400 056 में निम्नांकित कार्यो को संपादित करने हेतु आयोजित होगी :

“31, मार्च 2005 को समाप्त अवधि के कार्य निष्पादन से संबंधित बैंक के तुलन-पत्र एवं लाभ-हानि लेखों, लेखा-अवधि से संबंधित बैंक के कामकाज एवं गतिविधियों पर निदेशक मण्डल की रिपोर्ट तथा तुलन-पत्र एवं लेखों पर लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट पर चर्चा करना।”

स्थान : मुंबई

दिनांक : जून 10, 2005

एम. वी. नायर

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

Notice is hereby given that the Ninth Annual General Meeting of the Shareholders of Dena Bank will be held on Friday, July 8, 2005 at 3.00 p.m. at Auditorium, Sir Sorabji Pochkhanawala Bankers' Training College, J.V.P.D. Scheme, Vile Parle (West), Mumbai- 400 056, to transact the following business:

"To discuss the Balance Sheet and Profit & Loss account of the Bank, made upto the 31st of March, 2005, the report of the Board of Directors on the working and the activities of the Bank for the period covered by the Accounts and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts."

Place : Mumbai

Date : June 10, 2005 Chairman & Managing Director

M. V. Nair

(Addl. Charge)

टिप्पणियां :

1. मुख्तारी की नियुक्ति

सभा में उपस्थित रहने और मतदान करने का/के पात्र शेयरधारक अपने स्थान पर सभा में किसी अन्य को उपस्थित रहने तथा मतदान करने के लिए प्रतिनिधि नियुक्त करने का/की पात्र होगा/होगी। प्रतिनिधित्व प्रभावी हो, इस दृष्टि से प्रतिनिधि नियुक्त करने के पत्र अर्थात् मुख्तारी फार्म में सूचना नौवीं वार्षिक सामान्य सभा की तारीख से कम से कम चार दिन पूर्व अर्थात् शनिवार, 2 जुलाई, 2005 को कामकाज का समय समाप्त होने के समय या उससे पूर्व बैंक को विनिर्दिष्ट स्थल पर अवश्य प्राप्त हो जानी चाहिए।

2. प्रतिनिधि की नियुक्ति

ऐसी कोई कंपनी या निगमित निकाय, जो बैंक की/का शेयरधारक हो, के विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कोई भी ऐसा व्यक्ति सभा में उपस्थित रहने या मतदान करने का तब तक पात्र नहीं होगा जब तक कि उसे विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्ति विषयक संकल्प, जिस सभा में वह पारित हुआ था, उसके सभापति द्वारा सत्यापित किया हुआ, की प्रतिलिपि नौवीं वार्षिक सामान्य सभा की तिथि से कम से कम चार दिन पहले अर्थात् शनिवार, 2 जुलाई, 2005 को कामकाज का समय समाप्त होने से पूर्व कम्पनी सचिव, देना बैंक, प्रधान कार्यालय : देना कारपोरेट सेंटर, सी-10, जी ब्लॉक, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पू.), मुंबई 400 051 के पास जमा न करा दी जाए।

NOTES:

1. APPOINTMENT OF PROXY

A SHAREHOLDER ENTITLED TO ATTEND AND VOTE AT THE MEETING IS ENTITLED TO APPOINT A PROXY TO ATTEND AND VOTE INSTEAD OF HIMSELF / HERSELF. The proxy, in order to be effective, must be received by the Bank at the place specified in the proxy form, not later than FOUR DAYS before the date of the Ninth Annual General Meeting i.e. on or before the close of office hours on Saturday, 2nd July, 2005.

2. APPOINTMENT OF A REPRESENTATIVE

No person shall be entitled to attend or vote at the meeting as a duly authorised representative of a company or any body corporate which is a shareholder of the Bank, unless a copy of the resolution appointing him/her as a duly authorised representative, certified to be true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed shall have been deposited with the Compliance Officer, Dena Bank, Head Office: Dena Corporate Centre, 6th Floor, C-10, G Block, Bandra Kurla Complex, Bandra (East), Mumbai 400 051 not later than FOUR DAYS before the date of the Ninth Annual General Meeting i.e. on or before the close of office hours on Saturday, 2nd July, 2005.

3. उपस्थिति-सह-प्रवेश पर्ची

शेयरधारकों की सुविधा के लिए उपस्थिति सह-प्रवेश पर्ची इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है। शेयरधारकों/मुख्तारनामा धारकों/प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे उसमें दिए गए स्थान पर अपने हस्ताक्षर करके उसे सभा स्थल पर प्रस्तुत करें। शेयरधारक के प्रतिनिधि/मुख्तारी उपस्थिति सह-प्रवेशपर्ची में 'मुख्तारी' या 'प्रतिनिधि', जैसी भी स्थिति हो, का उल्लेख करें।

4. पते में परिवर्तन

शेयरधारकों से अनुरोध है कि यदि आपके पंजीकृत पते में कोई परिवर्तन हुआ है तो बैंक के रजिस्ट्रार एवं शेयर हस्तांतरण एजेंट को उनके निम्नलिखित पते पर सूचित करें:

शेयरप्रो सर्विसेज,
साटम इस्टेट, 3री मंजिल,
बैंक ऑफ बड़ौदा के ऊपर,
कार्डिनल ग्रेसियस रोड, चकाला,
अंधेरी (पूर्व), मुंबई 400 099.

5. हस्तांतरण

हस्तांतरण विलेख सहित शेयर प्रमाणपत्र बैंक के पंजीयक और शेयर हस्तांतरण एजेंट को उपरोक्त पते पर भेजे जाने चाहिए.

6. शेयरधारक रजिस्टर को बंद रखना

बैंक का शेयरधारक रजिस्टर और शेयर हस्तांतरण बहियाँ आठवीं वार्षिक सामान्य सभा के सिलसिले में **शुक्रवार, 1 जुलाई, 2005 से शुक्रवार 8 जुलाई, 2005** (दोनों दिन शामिल) तक बंद रहेंगे।

7. वार्षिक रिपोर्ट की प्रतियाँ वार्षिक सामान्य सभा में वितरित नहीं की जाएंगी। अतएव, शेयरधारकों से अनुरोध है कि वार्षिक रिपोर्ट की अपनी प्रति सभा में अपने साथ लेकर आएँ।

8. शेयरधारकगण कृपया नोट करें कि सभा स्थल पर किसी प्रकार के उपहार/कूपन आदि का वितरण नहीं किया जाएगा।

3. ATTENDANCE SLIP-CUM-ENTRY PASS

For the convenience of the Shareholders, Attendance Slip-Cum-Entry Pass is annexed to this report. Shareholders/ Proxy holders / Representatives are requested to affix their signatures at the space provided therein and surrender the same at the Venue. Proxy/ Representative of the shareholder should state on the attendance slip as 'Proxy' or 'Representative' as the case may be.

4. CHANGE OF ADDRESS

Shareholders are requested to intimate changes, if any, in their registered address, to the Registrars and Share Transfer Agents of the Bank at their following address:

Sharepro Services,
Satam Estate, 3rd Floor,
Above Bank of Baroda,
Cardinal Gracious Road, Chakala,
Andheri (East), Mumbai-400 099.

5. TRANSFERS

Share Certificates along with transfer deeds should be forwarded to the Registrars & Share Transfer Agents of the Bank at the above mentioned address

6. CLOSURE OF REGISTER OF SHAREHOLDERS

The Register of Shareholders and Share transfer Books of the Bank will remain closed from **Friday, July 1, 2005 to Friday, July 8, 2005** (both days inclusive) for the purpose of the Ninth Annual General Meeting.

7. Copies of Annual Report will not be distributed at the Annual General Meeting and therefore Shareholders are requested to bring their copies of the Annual Report to the Meeting.

8. Shareholders may kindly note that no Gifts/Coupons will be distributed at the venue of the meeting.

वर्ष 2004-2005 के लिए निदेशकों की रिपोर्ट DIRECTORS' REPORT 2004-2005

वर्ष 2004-2005 के लिए निदेशक मंडल की वार्षिक रिपोर्ट Annual Report of the Board of Directors for the year 2004-2005

प्रिय शेयरधारकों,

31 मार्च, 2005 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लेखा परीक्षित तुलन पत्र और लाभ एवं हानि लेखों के साथ बैंक की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए निदेशक मंडल को अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।

1.000 प्रबंधन विचार-विमर्श एवं विश्लेषण

1.100 स्थूल आर्थिक परिदृश्य

1.101 वर्ष 2004-2005 ने भारतीय अर्थव्यवस्था को औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में क्रमशः 8.3% एवं 8.6% की रिकार्ड वृद्धि दर के साथ सकल घरेलू उत्पाद में 6.9% की वृद्धि दर्ज करते हुए अपनी आर्थिक शक्ति को बरकरार रखा। अपर्याप्त मानसून के फलस्वरूप कृषि क्षेत्र ने केवल 1.1% की मामूली वृद्धि दर्ज की। थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति की वार्षिक दर 6.4% के रूप में थोड़ी अधिक रही, जिसमें मुख्य योगदान ईंधन, बिजली, प्रकाश और चिकनाई का रहा। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति की दर मुख्यतः इस तथ्य के कारण अपेक्षाकृत कम रही कि पेट्रोल, डीजल आदि जैसे उत्पादों की निर्देशित मूल्य व्यवस्था ने तेल के अन्तर्राष्ट्रीय मूल्यों से होने वाले आघात को काफी हद तक अवशोषित कर लिया।

1.102 देश की विदेशी मुद्रा की प्रारक्षित निधि में बढ़ोत्तरी अपने पूर्ववत ऊँचे रिकार्ड स्तर से जारी रही और वह मार्च, 2005 तक अमेरिकी डालर 140 बिलियन का स्तर पार कर गई। यद्यपि विविध आर्थिक घटनाओं के प्रत्युत्तर में निरंतर शुद्धिकरण हुए, फिर भी पूंजी बाजार क्षेत्र में निवल विदेशी संस्थागत निवेश के अंतरप्रवाह के फलस्वरूप मुंबई शेयर बाजार सेंसेक्स 6500 के स्तर को पार कर गया। बुलियन मूल्य साल भर स्थिर रहा।

1.103 इसके अलावा वर्ष के दौरान अर्थ व्यवस्था को सर्वाधिक प्रभावित करने वाली महत्वपूर्ण घटना थी -बढ़ती हुई तेल की अंतर्राष्ट्रीय कीमत, जिसमें वर्ष की तीसरी तिमाही से मुख्यतः ऊर्ध्वमुखी अस्थिरता बनी रही।

1.104 इस तरह, तेल जगत का प्रतिकूल परिदृश्य और मानसून का अधिक अनुकूल नहीं होना, ऐसे दो कारण रहे जिन्होंने प्रतिकूलताओं के बावजूद विकसित होने वाली अर्थव्यवस्था के लचीलेपन की परीक्षा ली। ऐसे समय में जब अधिकांश देश अपनी अनुमानित वृद्धि दरों को कम कर रहे थे, उक्त प्रतिकूल तत्वों के प्रभाव को कम करने एवं अर्थव्यवस्था को समुचित वृद्धि दर की ओर ले जाने के प्रयासों को सफल बनाने में राजकोषीय और मौद्रिक प्राधिकरणों ने अपनी ओर से पहल की है।

1.200 भारतीय रिजर्व बैंक का वार्षिक नीति वक्तव्य :

1.201 भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने वार्षिक नीति वक्तव्य में अपने मौद्रिक उद्देश्य को इस रूप में घोषित किया है :- "मूल्य स्तरों के परिवर्तनों पर गहरी निगरानी रखते हुए साख वृद्धि तथा आधार निवेश व निर्यात मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त चल निधि के प्रावधान को सुनिश्चित करना; और उपर्युक्त के अनुकूल यथापूर्व स्थिति बनाए रखना अर्थात् ब्याज दर माहौल में बनाए रखना जो कि वृद्धि एवं स्थूल आर्थिक नीति एवं मूल्य स्थिरता के संवेग को बनाए रखने में सहायक है।" तथापि, राजकोषीय वर्ष की दूसरी तिमाही के दौरान हुए प्रतिकूल विकास के परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था पर मुद्रास्फीति का दबाव आ गया।

1.202 वर्ष के दौरान, भारतीय रिजर्व बैंक ने, बदलते हुए परिदृश्य में, परिमित प्रत्युत्तर में सुधार के अनेक कदम उठाए हैं जिनमें ये सभी शामिल हैं

Dear Shareholders,

The Board of Directors have pleasure in presenting the Annual Report of the Bank together with the Audited Balance Sheet and Profit & Loss Account for the financial year ended March 31, 2005.

1.000 MANAGEMENT DISCUSSION AND ANALYSIS

1.100 Macro-Economic Scenario

1.101 The year 2004-2005 saw the Indian economy reasserting its economic strength by recording a growth of 6.9% in Gross Domestic Product with Industrial and Services sectors recording growth rates of 8.3% and 8.6% respectively. Inadequate monsoon resulted in the agricultural sector posting a moderate growth of 1.1% only. The annual rate of WPI based inflation was rather high at 6.4%, the major contributor being the component 'Fuel, Power, Lighting and Lubricants'. The CPI based inflation rate was lower mainly due to the fact that administered price mechanism for products like petrol, diesel etc absorbed, to a large extent, the shocks of the international oil prices.

1.102 The country's foreign exchange reserves continued to grow from an already record high level and crossed the US \$ 140 billion mark by March 2005. The net FII inflow into capital market sector saw the BSE Sensex rise to record levels, breaching the 6500 mark, though frequent corrections did take place in response to various events of significance. Bullion prices ruled firm through the year.

1.103 By far, the most significant development that affected the economy during the year was spiraling international Oil prices that showed high volatility, mainly in the upward direction from the third quarter of the year.

1.104 Thus, adverse scenario on the oil front and a not very favourable monsoon were two factors that tested the economy resilience to grow in the face of adversities. To their credit, the fiscal and monetary authorities responded with what has proved to be the right set of measures to minimize the impact of these adverse elements and steer the economy to a reasonably good growth rate, at a time when most countries were downscaling their projected growth rates.

1.200 Annual Policy Statement of RBI:

1.201 Reserve Bank of India announced its monetary stance in its Annual Statement of Policy as "To ensure provision of adequate liquidity to meet credit growth and support investment and export demand while keeping close watch on changes in price levels; and consistent with above, maintain the status-quo i.e., to pursue an interest rate environment that is conducive to maintaining the momentum of growth and macroeconomic and price stability". However, the adverse developments during the second quarter of the fiscal resulted in inflationary pressure on the economy.

1.202 During the year, Reserve Bank of India took a number of corrective steps in measured response to the

वर्ष 2004-2005 के लिए निदेशकों की रिपोर्ट DIRECTORS' REPORT 2004-2005

नवम्बर, 2004 में एक दिवसीय स्थिर दर पुनः खरीदी / प्रत्यावर्त पुनः खरीदी को आरंभ करने और 7 / 14 दिवसीय चल निधि समायोजन सुविधा पुनः खरीदी के उन्मूलन, बाजार स्थिरीकरण निधि के माध्यम से चल निधि की बड़ी राशि के समावेशन सहित बाजार स्थिरीकरण निधि की सीमा में वृद्धि करते हुए सितम्बर, 2004 में दो चरणों में विभाजित 50 आधार बिन्दुओं के द्वारा आरक्षित नकदी निधि अनुपात में वृद्धि एवं बैंक दर से आरक्षित नकदी अनुपात के ब्याज को विच्छेद करना एवं उसे 3.5% पर निर्धारित करना आदि-आदि.

- 1.203 वर्ष के दौरान मौद्रिक नीति का संचालन बड़े पैमाने पर मौद्रिक स्वरूप के अनुरूप था. वर्ष 2004-2005 के दौरान, प्रारक्षित रुपया वृद्धि 13% की वृद्धि पर अवरुद्ध रही. यद्यपि वर्ष 2000-01 के बाद, विदेशों से अत्यधिक निधि प्रवाह के कारण प्रारक्षित रुपया वृद्धि निर्धारित करने में सरकार के पास भा.रि.बैंक के निवल साख का महत्वपूर्ण घटक होना समाप्त हो गया है, भा.रि.बैंक की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियाँ अब महत्वपूर्ण भूमिका निभाने आ गई हैं (विगत वर्ष की 37.8% की वृद्धि पर 26.2% की वृद्धि). इसने भा.रि.बैंक द्वारा संचालित मौद्रिक नीति एवं विनिमय बाजार परिचालन को उच्चतर विश्वसनीयता प्रदान की है. पूंजी प्रवाह का मुद्रीकरण चल निधि में सीधे जुड़ते हुए साख सृजन की प्रक्रिया को बढ़ावा देता है.
- 1.204 स्रोतों के अनुसार, संवृद्धि का संचालन बैंक साख द्वारा वाणिज्यिक क्षेत्र को किया गया (विगत वर्ष में 13.3% की तुलना में 25.4%). बैंकों की निवल विदेशी विनिमय आस्तियों में पिछले वर्ष की 39.2% की तुलना में मात्र 20.9% की वृद्धि दर्ज की गई. बैंक साख में पिछले वर्ष के 7.9% की तुलना में 20.4% (रूपांतरण का निवल 17.2%) की बढ़ोतरी हुई.
- 1.205 इस प्रकार, अंतर्राष्ट्रीय तेल मूल्य परिदृश्य के कारण पाई गई मुद्रास्फीतिकारी प्रवृत्तियाँ मांग द्वारा उत्पन्न नहीं थीं बल्कि अनिवार्यतः आपूर्ति द्वारा संचालित और बड़े पैमाने पर आयातित थीं.
- 1.300 बैंकिंग उद्योग की प्रवृत्तियाँ**
- 1.301 वर्ष 2004-2005 के दौरान बैंकिंग प्रणाली की सकल जमा राशियों में वर्ष 2003-2004 के 17.5% की तुलना में 14.1% की वृद्धि रही. जमा संग्रहण में इस वृद्धि के समक्ष, बैंक साख में पिछले वर्ष के 15.3% (रु.111570 करोड़) की तुलना में 26% (रु.218623 करोड़) की वृद्धि हुई. इसमें से खाद्य साख के हिसाब में ली गई रु.5159 करोड़ (वर्ष 2003-2004 में रु.13518 करोड़) एवं अखाद्य साख के हिसाब में ली गई रु.213462 करोड़ (विगत वर्ष में रु.125088 करोड़) की वृद्धि थी. बैंकों के निवेशों की वृद्धि में पिछले वर्ष के 3.9% अथवा रु.3660 करोड़ की तुलना में 2.9% अथवा रु.2573 करोड़ की कमी हुई. इस कमी के परिणामस्वरूप, मांग और मीयादी देयताओं के प्रतिशत के रूप में बैंक की सांविधिक चलनिधि अनुपात धारिता घटकर मार्च, 2005 में 38.5% हो गई जबकि मार्च, 2004 में यह 41.3% थी.
- 1.302 अर्थव्यवस्था में ऊर्ध्वमुखी उछाल के कारण ऋणों और अग्रिमों में असाधारण वृद्धि हुई. एक स्वीकार्य सीमा तक साख वृद्धि को गिरते ब्याज दर परिदृश्य से आगे सुलभ कराया गया.
- 1.303 वर्ष 2004-2005 के दौरान, बैंक उधार का एक मामूली हिस्सा उप-बैंचमार्क मूल उधार दर पर था. मार्च, 2005 के अंत तक, मांग और मीयादी ऋणों जिसका अधिकतम कारोबार संविदाकृत है, के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की मध्यम (प्रतिनिधि) उधार दरें पिछले वर्ष के इसी विषय के स्तरों में कुछ सुधार को दर्शाते हुए क्रमशः 9.00 - 12.50 प्रतिशत एवं 8.35 - 12.00 प्रतिशत की श्रृंखला में थीं जबकि मार्च, 2004 में ये दोनों 11.00 - 12.75 की श्रृंखला में थीं. साख क्षेत्र जिसमें ब्याज दरों में थोड़ी वृद्धि हुई थी वह था लंबी अवधि वाला

changing scenario that include, increase in CRR by 50 basis points, split into two phases in September 2004, increasing the limit of Market Stabilisation Fund (MSF) with absorption of large amount of liquidity through MSF, abolition of 7 / 14 day LAF Repo with introduction of Overnight Fixed rate Repo / Reverse Repo in November 2004 and delinking interest on CRR from Bank Rate and fixing the same at 3.5% etc.

- 1.203 The conduct of the monetary policy during the year was largely in tune with the monetary stance. Reserve Money growth, during the year 2004-2005 was stagnant with an increase of 13%. Though net RBI credit to Government has, after 2000-01, ceased to be an important factor in determining reserve money growth, with large capital flows from abroad, Net Foreign Currency Assets of RBI now come to play a key role (26.2% growth upon 37.8% growth in previous year). This has lent greater credibility to RBI's conducting monetary policy and exchange market operations. Monetisation of capital inflows amplifies process of credit creation by adding directly to liquidity.
- 1.204 In terms of sources, growth was driven by bank credit to commercial sector (25.4% as compared to 13.3% in previous year). Net foreign exchange assets of banks posted an increase of only 20.9% as compared to 39.2% in previous year. Bank credit increased by 20.4% (17.2% net of conversion) compared to 7.9% in previous year.
- 1.205 Thus, the inflationary tendencies observed were not demand-driven and were essentially supply driven and largely imported on account of international oil prices scenario.

1.300 Banking Industry Trends:

- 1.301 The aggregate deposits of the banking system registered a growth of 14.1% during 2004 - 05, as against 17.5% during 2003-2004. As against this growth in deposit mobilization, bank credit increased by 26% (Rs.2,18,623 crore) in comparison with 15.3% (Rs.1,11,570 crore) in previous year. Of this food credit accounted for an increase by Rs.5,159 crore (Rs.13,518 crore in 2003-2004) and non-food credit accounted for an increase by Rs.2,13,462 crore as against Rs.1,25,088 crore in previous year. The growth in investments of banks declined by 2.9% or Rs.2,573 crore in comparison to a decline of 3.9% or Rs.3,669 crore in 2003-2004. As a result of this decline, SLR holding of banks as a percent of its demand and time liabilities came down to 38.5% in March 2005, while the same was 41.3% in March 2004.
- 1.302 The phenomenal increase in loans and advances was on account of the upswing in the economy. To a considerable extent, the credit growth was facilitated by declining interest rate scenario.
- 1.303 During 2004-05, a substantial part of banks' lending was at sub-BPLR rates. As at end-March 2005, public sector banks' median (representative) lending rate for the demand and term loans (at which maximum business is contracted), in the range of 9.00-12.50 per cent and 8.35-12.00 per cent, respectively, exhibited moderation as compared with their corresponding levels of 11.00-12.75 per cent each in March 2004.

वर्ष 2004-2005 के लिए निदेशकों की रिपोर्ट DIRECTORS' REPORT 2004-2005

आवासीय क्षेत्र जो मुख्यतः जमाशायियों की ब्याज दर में वृद्धि, तथा विनियामक द्वारा पूंजी पर्याप्तता की पुष्टि से अपेक्षाकृत अधिक जोखिम भार के निर्धारण के कारण हुआ।

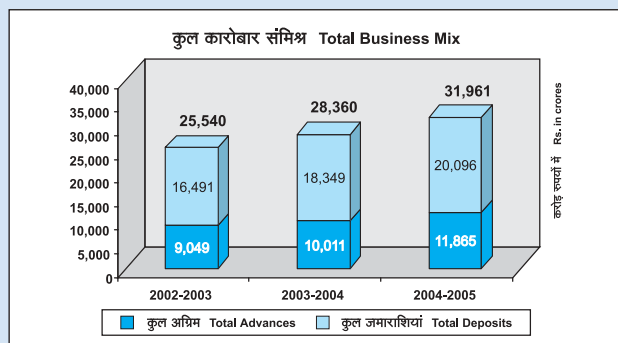
1.304 जमाशायियों के क्षेत्र में एक वर्ष तक की सावधि जमाशायियों पर ब्याज में 0.25% के लेकर 0.75% तक की ऊर्ध्वमुखी बढ़ोत्तरी का दबाव रहा। इसी प्रकार एक वर्ष से अधिक की सावधि जमाशायियों की ब्याज दरें भी 0.50% से लेकर 1.00% तक रहीं। वर्ष के दौरान बचत जमाशायि पर देय ब्याज में कोई परिवर्तन नहीं किया गया।

1.305 निवेश के क्षेत्र में, बैंकिंग व्यवस्था को मुद्रास्फीति और ब्याज दरों के बारे में परिवर्तित ज्ञान के कारण सरकारी प्रतिभूतियों पर परिपक्वता की आय में की गई आकस्मिक वृद्धि के रूप में आघात लगा। 1 अप्रैल, 2004 को 5.19% के स्तर से 10-वर्षीय सरकारी कागजातों पर बेंचमार्क परिपक्वता का प्रतिफल जून, 2004 से बढ़ना शुरू हुआ और 8 नवम्बर, 2004 तक 7.43% की ऊँचाई पर पहुँच गया। तब से मार्च, 2005 के अंत तक इसे 6.79% पर स्थिर करने से पहले अत्यधिक अस्थिरता के कारण न्यूनतम मानदण्ड को उल्लिखित किया गया। परिपक्वता पर प्रतिफल में इन अस्थिर गतिविधियों के प्रभाव पर विचार करते हुए, भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंक हेतु 'परिपक्वता तक धारित' का विस्तार करने के लिए मानदण्डों को शिथिल किया है। विनियामक द्वारा लाभकारी कदम उठाए जाने के बावजूद, अधिकांश बैंकों ने प्रतिभूतियों का अंतरण करते समय निवेशों के मूल्य में ह्रास के लिए प्रावधान की आवश्यकता के कारण अपने सबसे नीचे के स्टाफ के प्रचुर दबाव का अनुभव किया है। इसके अलावा, बाजार की गतिविधियों ने बैंकों को लाभ कमाने के अवसरों को कम कर दिया है।

2.000 बैंक कारोबार का कार्य-निष्पादन

2.100 कुल कारोबार संमिश्र

- 2.101 बैंक ने वित्त वर्ष 2004-05 के दौरान, कारोबार संमिश्र में 12.70% की वृद्धि दर्ज करते हुए 31 मार्च 2004 के रु. 28,361 करोड़ की तुलना में 31 मार्च 2005 को रु. 31961 करोड़ का कारोबार संमिश्र प्राप्त किया।
- 2.102 बैंक की जमाशायियाँ 31 मार्च, 2004 के रु.18349 करोड़ के स्तर से बढ़ कर 31 मार्च, 2005 में रु. 20096 करोड़ हो गईं। इस प्रकार उनमें पिछले वर्ष के स्तर की तुलना में 9.52% की वृद्धि हुई।
- 2.103 बैंक का सकल अग्रिम 31 मार्च, 2004 के रु.10011 करोड़ की तुलना में बढ़कर 31 मार्च, 2005 को रु.11865 करोड़ हो गया। इसमें 18.52% की वृद्धि परिलक्षित हुई।
- 2.104 विगत तीन वर्षों में बैंक के कुल कारोबार संमिश्र का विन्यास इस प्रकार दर्शाया गया है :-



The credit sector where there had been a marginal increase in interest rates was the long tenor housing sector, which was mainly on account of hardening of interest rate on deposits and prescription of higher risk weights from capital adequacy angle by the regulator.

1.304 On the deposits side, there was pressure on upward movement of interest on term deposits up to one year, by 0.25% to 0.75%. Similarly, interest rates on term deposits over one year also moved up in the range of 0.50% to 1.00%. There was no change in interest payable on savings deposits during the year.

1.305 On the investments front, the banking system experienced shocks in the form of sudden increases in the Yield to Maturity (YTM) on Government securities on account of changing perceptions about inflation and interest rates. The benchmark YTM on 10 year government paper started rising from June 2004 from a level of 5.19% as at 1st April 2004 and reached a high of 7.43% by 8th November 2004. Since then, the benchmark has been characterised by high volatility before settling at 6.79% by end March 2005. Considering the impact of such volatile movements in YTM, Reserve Bank of India relaxed the norms for the banks to expand their 'Held to Maturity' category of investments. Despite the beneficial move by the regulator, most banks have experienced severe pressure of their bottom-lines due to the need for provision for diminution in value of investments at the time of shifting of securities. Further, the market movements had reduced the profit booking opportunities to the banks.

2.000 BUSINESS PERFORMANCE OF THE BANK

2.100 Total Business Mix

- 2.101 During the financial year 2004-05, the Bank achieved Business Mix of Rs.31,961 crore as on March 31, 2005, as compared to the Business Mix of Rs.28,360 crore as on March 31, 2004 registering a growth of 12.70%.
- 2.102 The Deposits of the Bank have grown to Rs.20,096 crore as on March 31, 2005 from a level of Rs.18,349 crore as on March 31, 2004, registering a growth of 9.52% over the previous year's level.
- 2.103 The Gross Advances of the Bank have increased to Rs.11,865 crore as on March 31, 2005 as compared to Rs.10,011 crore as on March 31, 2004, indicating an increase of 18.52%.
- 2.104 The composition of Total Business Mix of the Bank for the last two years is as under:

(करोड़ रुपए में Rupees in crore)		
31 मार्च को कारोबार संमिश्र Business Mix as at 31 st March	2004	2005
कुल जमाशायि Total Deposits	18,349	20096
कुल अग्रिम Total Advances	10,011	11865
कुल कारोबार संमिश्र Total Business Mix	28,360	31961

वर्ष 2004-2005 के लिए निदेशकों की रिपोर्ट DIRECTORS' REPORT 2004-2005

2.200 जमा राशियों में अनुवृद्धि

2.201 बैंक की कुल जमा राशियाँ 9.52% की वृद्धि दर्ज करते हुए 31 मार्च, 2004 के रु. 18,349 करोड़ की तुलना में 31 मार्च, 2005 को रु. 20,096 करोड़ हो गईं. जमा राशियों का संयोजन निम्नानुसार है:

कुल जमा राशियाँ (अंतर बैंक जमा राशियों को छोड़ कर)

जमा राशि श्रेणी	31 मार्च, 2004		31 मार्च, 2005	
	(करोड़ रुपए में)	कुल जमा राशियों में अंश	(करोड़ रुपए में)	कुल जमा राशियों में अंश
चालू	1940.88	10.58%	2123.61	10.57%
बचत	5680.48	30.96%	6660.06	33.14%
सावधि	10727.81	58.46%	11312.42	56.29%
कुल जमा राशि	18349.17	100.00%	20096.09	100.00%

2.202 कुल जमा राशियों में अल्प-लागत जमा राशियों का अंश 31 मार्च, 2004 के दिन 41.54% की तुलना में 31 मार्च, 2005 के दिन 43.71% हो गया है.

2.203 बैंक द्वारा अधिक लागत वाली जमा राशियों को उनकी परिपक्वता पर उन्हें बाजार दरों के अनुरूप उनकी कीमत का पुनर्निर्धारण करने के साथ-साथ अल्प लागत वाली जमा राशियों के अंश में वृद्धि करने हेतु किए गए सघन प्रयासों से बैंक को अपनी जमा राशियों की लागत को और कम करने में मदद मिली है. वित्तीय वर्ष 2002-03 तथा 2003-04 की क्रमशः 6.65% और 5.78% की तुलना में वित्तीय वर्ष 2004-05 के दौरान और अधिक घट कर 4.85% रह गई.

2.300 साख प्रबंधन

2.301 वित्तीय वर्ष के दौरान बैंक के सकल अग्रिमों में रु. 1,854 करोड़ अर्थात् 18.52% की वृद्धि हुई. इस प्रकार वे 31 मार्च, 2004 के दिन रु. 10,011 करोड़ की तुलना में 31 मार्च, 2005 के दिन रु. 11,865 करोड़ हो गए. पिछले वर्ष के दौरान यह वृद्धि दर 10.64% थी. बैंक के निवल अग्रिम 31 मार्च, 2004 के दिन रु. 9,412 करोड़ से बढ़ कर 31 मार्च, 2005 के दिन रु. 11,309 करोड़ हो गए, अर्थात् इनमें 20.15% की वृद्धि दर्ज हुई. मार्च, 2005 को समाप्त वर्ष के अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार के दिन निवल बैंक साख में प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिमों का हिस्सा 42.46% था, जो 40% के निर्धारित न्यूनतम लक्ष्य से काफी अधिक है.

2.200 Deposit Accretion

2.201 The Deposits of the Bank stood at Rs.20,096 crore as on March 31, 2005 as compared to Rs.18,349 crore as on March 31, 2004 registering an increase of 9.52%.

The composition of Deposits is as under:

Deposit Category	As on March 31, 2004		As on March 31, 2005	
	(Rupees in crore)	Share in Total Deposits	(Rupees in crore)	Share in Total Deposits
Current	1940.88	10.58%	2123.61	10.57%
Saving	5680.48	30.96%	6660.06	33.14%
Term	10727.81	58.46%	11312.42	56.29%
Total Deposits	18349.17	100.00%	20096.09	100.00%

2.202 The share of Low Cost Deposits to Aggregate Deposits improved by 217 basis points to 43.71% as on March 31, 2005 as compared to 41.54% as on March 31, 2004.

2.203 The aggressive efforts to increase the share of low cost deposits coupled with repricing of high cost deposits upon maturity, in line with market rates, helped the Bank to further bring down its cost of deposits. The Average Cost of Deposits has further been reduced to 4.85% for the financial year 2004-05 against 5.78% for the financial year 2003-04 and 6.65% for the financial year 2002-03.

2.300 Credit Dispensation

2.301 The Gross Advances of the Bank have increased by Rs.1,854 crore or 18.52% during the financial year i.e. from Rs.10,011 crore as on March 31, 2004 to Rs.11,865 crore as on March 31, 2005. The growth rate during the previous year was 10.64%. The Net Advances of the Bank have increased from Rs.9,412 crore as on March 31, 2004 to Rs.11,309 crore as on March 31, 2005 i.e. an increase of 20.15%. The Advances to Priority Sector constituted 42.46% of Net Bank Credit as on the last reporting Friday of the year ended March 2005, which is well above the prescribed minimum of 40%.

